छह घंटे श्रमदान करके बदली वेणासर तालाब की तस्वीर

बाड़मेर,(नि.सं.)। नवो बाड़मेर अभियान के तहत रविवार को श्रमदान से वेणासर तालाब की सूरत बदल दी गई। करीब छह घंटे तक चले सफाई अभियान में सैकड़ों युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों की भागीदारी रही। इस दौरान बबूल के पौधों की कटाई के साथ गंदगी के ढेर हटाए गए।

श्रमदान को लेकर युवाओं के साथ स्थानीय नागरिक भी खासे उत्साहित नजर आए।

बाड़मेर शहर में नवो बाड़मेर के जरिए चलाए जा रहे सफाई अभियान के तहत जिला कलैक्टर टीना डाबी के निर्देशन में रविवार को यूआईटी सचिव श्रवण सिंह राजावत, आयुक्त विजय प्रतापसिंह, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रीतमसिंह भूरटिया एवं तनोट डिफेन्स एकेडमी के निदेशक घेवरसिंह राजपुरोहित की अगुवाई में सफाई अभियान चलाया गया।

रविवार प्रातः 5 बजे मांगूसिंह बिशाला और महावीरसिंह चूली के निर्देशन में तनोट डिफेन्स एकेडमी एवं स्थानीय करीब 200 युवाओं ने सफाई अभियान की शुरुआत की।

वेणासर तालाब में छह घंटे तक चले सफाई अभियान के दौरान बबूल के पौधों की कटाई के साथ कचरे के ढेर हटाए गए।

मानव श्रृंखला बनाई

वेणासर तालाब की गहराई अधिक होने के कारण कचरा ट्रैक्टर ट्रालियों तक पहुंचाना काफी मुश्किल था। ऐसे में युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाते हुए एक - दूसरे को तगारियां पकड़ाते हुए सफाई के कार्य को अंजाम दिया।

नवो बाड़मेर अभियान की शुरुआत के बाद जिला कलैक्टर को अवगत कराया गया था कि पुराने जल स्त्रोत वेणासर तालाब में लोग खुले में शौच जा रहे है। इसमें कचरे के ढेर लगे हुए है। इसके जीर्णोद्धार की जरूरत है। इस परतनोट डिफेस एकेडमी को गोद दिया गया। रविवार को भी सफाई अभियान के दौरान कलैक्टर ने लगातार मोनेटरिंग करते हुए निर्देशित किया।

लोग जुड़ते गए, कारवां बन गया

वेणासर तालाब में सफाई अभियान चलाने में पहली समस्या मेंन पॉवर की थी, इसके लिए तनोट डिफ़ेस एकेडमी के निदेशक घेवर सिंह आगे आए। संसाधनों का जिम्मा नगर परिषद ने संभाला। वार्ड के लोग श्रम दान कर्मियों के सेवा के लिए तत्पर रहे। अभियान के दौरान चार ट्रॉली कचरा और प्लास्टिक निकाला गया। करीबन 400 बबूल काटकर बाहर लाए गए। सुखी घास को हटाया के साथ प्लास्टिक रैपर एवं बोतलों को एकत्रित किया गया। इस दौरान करीब 200 मीटर रंग रोगन का कार्य भी दीवार पर किया गया।

नवो बाड़मेर अभियान के तहत रविवार को विभिन्न वार्डो में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान कचरा हटाने के साथ बबूल की झाड़ियों की कटाई का कार्य करवाते हुए रास्तों को खुलवाया गया।

अशोक गहलोत जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं) । पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को जोधपुर पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि राजस्थान में सरकार नहीं सर्कस चल रहा है। अधिकारी और लोग डेंगू से मर रहे हैं।

यहां उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया से बात की थी। गहलोत ने भाजपा सरकार पर तंज कसा। कहा- डेंगू फैल रहा है, लोग मर रहे हैं, लेकिन पार्टी और सरकार बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है। जोधपुर में विश्वविद्यालय हमने खोले ,लेकिन उनका कोई अता-पता नहीं है। संजीवनी मामले पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को क्लीन चिट मिलने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि मैंने इस मामले में अपना पक्ष रख दिया था। हरियाणा में चुनाव के बाद आ रहे एग्जिट पोल को लेकर गहलोत ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इससे साफ पता चल रहा है कि कांग्रेस के समर्थन में अब फिर से माहौल बन रहा है।

राणा पूंजा सोलंकी पर व्याख्यानमाला आयोजित

जोधपुर, (नि.सं.)। राणा पूंजा सोलंकी की स्मृति में रविवार 06 अक्टूबर को सांय 05.00 बजे पावटा बी रोड़ स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन में राणा पूंजा सोलंकी स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित की गई।

मारवाड़ राजपूत सभा महासचिव के वी सिंह चांदरख ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मारवाड़ राजपूत सभा द्वारा समय समय पर महापुरूषों, वीरों व इतिहास पुरूषों के स्मरण के लिए लगातार प्रयास किये जाते हैं। इसी के तहत सोलंकी वंश के राणा पूंजा सोलंकी के व्यक्तित्व व वीरता पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राणा पूंजाजी सोलंकी स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में इतिहासविद्वों ने अवगत कराया कि राणा पूंजा सोलंकी मेवाड़ के पानरवा ठिकानें से सम्बंधित महान योद्धा एवं महाराणा प्रताप के प्रमुख सहयोगियों में से एक थे।

इस दौरान वक्ताओं ने राणा पूंजा सोलंकी के व्यक्तित्व व उनके कृत्यों तथा महाराणा प्रताप के समकालीन इतिहास में राणा पूंजाजी के योगदान पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वीरों एवं महापुरूषों के व्यक्तित्व, ऐतिहासिक घटनाक्रमों, सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण के लिए सदैव सजग एवं जागरूक रह कर कार्य करनें की आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि जहाँ कहीं भी स्मारक, छतरियों, देवलियाँ, चबूतरा बने है उनके जीर्णोद्वार व संरक्षण के लिए सदैव कार्य करनें पर बल दिया।

इस दौरान मारवाड़ राजपूत सभा उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह रूणकिया, कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट गोविन्द सिंह, ओमकरणसिंह मूंजासर, शिवमंगलसिंह, लोकेन्द्रसिंह शक्तावत, रतनसिंह चम्पावत, श्री हनवंत एज्युकेशनल सोसायटी सचिव राजेन्द्रसिंह लीलिया, करणी सेना जिलाध्यक्ष शक्तिसिंह ओस्तरां, जालम सिंह परमार, विरेन्द्रसिंह शेखावत, विक्रमसिंह बांवरला, राजेन्द्र सिंह नरूका सहित कई जने उपस्थित रहे।

पौधारोपण किया

जालोर, (निसं)। सिलावट समाज के लोगों ने रविवार को सिलावट समाज शहर ए खामोशन के बगीचे में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकाअधिक पौधारोपण करने की अपील की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम संयोजक सीनियर नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत सिलावट समाज के लोगों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित भविष्य एवं स्वस्थ जीवन के लिए पौधारोपण करना जरुरी है। ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास हरा भरा वातावरण बनाए रखना चाहिए और प्रकृति के प्रति सदैव कर्तव्य होकर इसकी रक्षा के लिए जागरूक रहना चाहिए सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवम उनकी देखभाल का जिम्मा लिया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने सिलावट समाज शहर ए खामोशान के बगीचे मे श्रमदान कर साफ सफाई कर स्वच्छता का सन्देश दिया।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद अयूब शेख, जलाल खान, इंसाफ अली, लियाकत अली, सलीम जावेद, मुस्ताक खान , ईमरान खान अब्दुल गफ्फार, हिदायत खान, शाहनवाज खान, आबाद अली ,अनवर खान , एजाज अली, शहजाद एस के,जहांगीर खान , जानशेरखान ,अरमान खान, नोहसीन, हमजा अली हसन सहित सिलावट समाज के लोग मौजूद थे।

निसार राही के काव्य संग्रह की सराहना हुई

जोधपुर, (कासं) । जो सामना हो तो पहचान ही नहीं पायें, हम अपने आप से मिले ही कितने हैं...., सुनाई देती है आवाज किस के कदमों की, बहाना ढूंढ रहा है चराग जलने का....., ख़्वाब के पेड़ याद के बादल, अब के रस्ते में कितने साये थे....., ये सोचता हूं कि कहने से क्यूं नहीं आता, सुख़न में अब जो असर अनकहे से आया है.... जैसे शेरों से डॉ निसार राही ने अपने सद्य प्रकाशित संग्रह से समा बांध दिया। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था तहरीर द्वारा डॉ. मदन डागा साहित्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में निसार राही ने अपने मार्गदर्शक शीन काफ निज़ाम को समर्पित इस संग्रह से पाठ की शुरूआत 'हमसफर', 'कोई दूसरा' ,दो घड़ी' और 'एक साथ' जैसी अन्य कई ख़ूबसूरत नज़्मों से की।

निसार राही के काव्य पाठ से पूर्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनकहा, लफ़्ज़ 'कुन' पाठ-पठन, नज़्मों के शीर्षक तथा अन्य हवालों से बड़े केनवस पर आलोचनात्मक विश्लेषण करते हुए शाइर, नाक़िद और इस्तिफ़सार के संपादक आदिल रज़ा मंसूरी ने डॉ. निसार राही के काव्य संग्रह 'समन्दर से ख़फा मौज' पर पत्रवाचन किया। इस अवसर पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. एल. श्रीवास्तव ने बतौर मुख्य अतिथि अपने उद्बोधन में जहां एक ओर आदिल रज़ा मंसूरी के पत्र की भूरि भूरि प्रशंसा की वहीं ये भी कहा कि मुझे निसार राही का काव्य संग्रह इतना अच्छा लगा एक बार में ही पूरा पढ़ गया और इस साहित्यिक कार्यक्रम से मैं बहुत समृद्ध हो कर जा रहा हूं।

विशिष्ट अतिथि मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर के प्रेसीडेंट (वी सी) डॉ जमील क़ाज़मी ने कहा कि निसार राही ने अपने पिता ए. डी. राही की विरासत को शीन काफ़ निज़ाम की रहनुमाई में बख़ूबी आगे बढ़ाया। आरंभ में गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, कोटा के शोधार्थी वसीम बैलिम ने अपने पत्रवाचन में शीन काफ़ निज़ाम और निसार राही दोनों की एक एक नज़्म के माध्यम से 'नदी' के इस्तआरे पर बात करते हुए दोनों नज़्मों के अहसास, आहंग और लय में क्या अंतर है इसका निर्णय पाठकों पर छोड़ा और ये भी कहा कि डॉ निसार राही की शाइरी बीच समंदर में भंवर और तूफानों से गुजरते हुए किनारे तक का सफ़र तय करने में कामयाब हुई है। मशहूर अफसानानिगार एवं शाइर हबीब कैफी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शाइरी की ताक़त से कोई इनकार नहीं कर सकता और कहा कि आदिल रज़ा मंसूरी ने निसार राही की शायरी पर आधुनिक तकनीक के नजरिऐ से अच्छा विश्लेषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए इश्राक़ुल इस्लाम माहिर ने कहा कि निसार राही कि रचनाऐं मुशाअरे के बजाय मुतालिऐ में ज़्यादा खुलती हैं। तहरीर संस्था ने डॉ निसार राही सहित अतिथियों का स्वागत किया।

जोधपुर ने कूडो प्रति. में 37 स्वर्ण पदक जीते

जोधपुर, (निसं)। कूडो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया की रैफरी काउंसिल के उपाध्यक्ष एवं प्रशिक्षक शिहान राजकुमार मेनारिया के नेतृत्व में कूडो मुख्यालय राजस्थान एवं एस.आर.ए.एम.एम.ए. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 5 दिवसीय वार्षिक आवासीय प्रशिक्षण शिविर के साथ 11वीं राज्य स्तरीय कूडो चैंपियनशिप एवं 5वें कूडो फेडरेशन कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 स्वर्ण, पदकों पर कब्जा कर जोधपुर कूडो टीम ने बनाया इतिहास।

11वीं राज्य कुडो प्रतियोगिता में जोधपुर ने 37स्वर्ण 32 रजत एवं 17कांस्य सहित कुल 86 पदकों पर कब्जा कर इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप ट्रॉफी का उपविजेता बना ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जोगेश्वर गर्ग (कैबिनेट मिनिस्टर एवं मुख्य सचेतक राजस्थान सरकार) रहे।

मुख्य अतिथि जोगेश्वर गर्ग ने खिलाडियों के शानदार व दमदार प्रदर्शन से अभीभूत होकर आश्वस्त किया कि भारत सरकार से मान्यता प्राप्त इस खेल को राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल में सम्मिलित करने के लिए हमने प्रयास शुरू कर दिया है और कोई भी अडचन को सुलझाकर शीघ्र स्पोर्ट्स काउंसिल खेल घोषित किया जाएगा।

कूडो महासंघ भारत के मेहुल वोरा ने बताया कि अगर कूडो राजस्थान क्रिडा परिषद की खेल सूची में सम्मिलित हो जाता है तो कूडो खिलाडी राज्य की सरकारी नौकरियों में आरक्षण एवं अनुदान राशि के पात्र होंगे ।

कूडो एसोसिएशन जोधपुर के सचिव राजकुमार बांगड ने बताया कि कूडो की दोनों प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर जोधपुर के 3 श्रेष्ठ खिलाडियों को बेस्ट-फाइटर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया जिनमें रौनक धारू, रुद्राणी पटेल,लविक सोनी सम्मिलित है ।

सेंसेई अरूणा पटेल ने बताया की समारोह के अंत में दिवंगत कूडो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तकनीकी निदेशक परसी बाहमनी 8 डॉन ब्लैक बेल्ट जापान को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके भारत की मार्शल आर्ट्स में योगदान (विशेषकर कूडो) के लिए सराहा गया समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा अरमेनिया में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता कूडो यूरेशिया कप 2024 के लिए भारतीय टीम में सम्मिलित जोधपुर के की सुश्री ख्याति परमार, प्रिंस अजय कानूनगो एवं मुकेश पटेल का सम्मान किया। जोधपुर पहुंचने पर टीम का ढोल नगाडो एवं फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

छात्र-छात्रा टेबल टेनिस प्रति. संपन्न

पाली, (नि.सं.)। सेंट्रल एकेडमी स्कूल नयीा गांव पाली के तत्वाधान में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय 14 वर्षीय छात्र-छात्रा टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन सेंट्रल एकेडमी स्कूल के बी. आर बिड़ला कैंपस में हुआ।

प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाचार्या शर्मिला भंडारी ने बताया कि मुख्य अतिथि महापौर रेखा-राकेश भाटी ने अपने उद्बोधन में बताया कि आने वाले समय में बांगड़ स्टेडियम की छत को सांसद एवं विधायक कोष से निर्मित किया जायेगा जिससे खिलाड़ियों को कोई दुविधा ना हो। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो खिलाड़ी खेल को जीतने की भावना से खेलता है वह हमेशा बुलंदियों को छूता है। उन्होंने सेंट्रल एकेडमी स्कूल परिवार को इस आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मदन पंवार ने इस प्रतियोगिता में पिछले 10 वर्षों के बाद टीम इवेंट में पाली के तृतीय स्थान एवं लगभग 17 वर्षों के बाद छात्र एकल वर्ग में पाली के चतुर्थ स्थान प्राप्त करने पर प्रसन्नता जाहिर की।

सभापति रेखा भाटी सहित अतिथियों द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। ट्रॉफी के साथ खिलाड़ियों का जोश देखते ही बनता था।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत जागरूकता गतिविधियां जारी

बालोतरा, (निसं)। जिला कार्यक्रम अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर की पहल पर प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ किया जा रहा है।

सीएमएचओ डॉ. वांकाराम चौधरी ने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिले भर में 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह आयोजित कर निर्धारित थीम पर विभिन्न जन-जागरुकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम इट इज टाईम टु प्रायोरटाईज मेंटल हैल्थ एट वर्क प्लेस- निर्धारित की गयी है।

सीएमएचओ डॉ. वांकाराम चौधरी ने बताया कि आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू है। आज प्रत्येक आयु के व्यक्ति अवसाद जैसी विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य बीमारियों से ग्रस्त रहने लगा है, लेकिन आज भी मानसिक स्वास्थ्य विषय पर लोग उतनी चर्चा नहीं कर पाते हैं और भविष्य में बहुत बड़ी परेशानियों, यहां तक कि आत्महत्या करने पर उतारू हो जाते हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के दौरान जिला स्तर पर कार्यालयों, विद्यार्थियों एवं अन्य स्थानों पर चर्चा संगोष्ठियों एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि इसके साथ ही सोशल मीडिया पर प्रभावशाली वक्ताओं के साथ इस विषय पर चर्चा का आयोजन किया जा रहा है। चिकित्सकों की मौजूदगी में कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन एवं विद्यार्थियों के लिए सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य विषय पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर के अवसर पर विभिन्न हितधारकों की मानसिक स्वास्थ्य विषय में भूमिका विषय पर चर्चा बैठक का आयोजन किया जाएगा। कार्य स्थल पर हस्ताक्षर अभियान भी संचालित किया जाएगा।

बीसीएमओ व चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य पर वार्ता संगोष्ठी, स्लोगन, पोस्टर व निबंध लेखन तथा अभिभावकों से संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।